एंटी रैगिंग
कार्यक्रम प्रतिवेदन
13 और 14 अगस्त 2024

आईएएसई (डीम टू बी यूनिवर्सिटी) सरदारशहर में 13 और 14 अगस्त 2024 को 'AWARENESS OF RAGGING AND ANTI RAGGING MEASURES ' विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य वक्ता **प्रोफेसर ओ. पी. जांगिड़ जी** रहें। कार्यक्रम का उद्घाटन माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया । तत्पश्चात उद्देश्य उद्बोधन **डॉ कैलाश जी पारीक** द्वारा दिया गया ,जिसमे उन्होने रैगिंग का अर्थ स्पष्ट करते हुए रैगिंग के दुस्प्रभाव को

वास्तविक उदाहरणों के माध्यम से बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में **प्रोफेसर ओ. पी. जांगिड़ जी** ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए रैगिंग के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने रैगिंग क्या है तथा रैगिंग की शुरुवात कैसे हुई इसको विस्तार से समझाते हुए बताया कि इसकी शुरुवात विद्यार्थियों के बीच परिचय करने की परम्परा किस प्रकार एक अपराध का रूप ले लिया ए यह एक क़ानूनी अपराध है और इसके लिए मुकदमा चलाया जा सकता है इसके लिए न केवल अपराध करने वाला पक्षए बल्कि मूक गवाह भी समान रूप से जिम्मेदार होंगे। एसोसिएट प्रोफेसर **डॉ धर्मेन्द्र सिंह** ने रैगिंग पर उनके विचारो को स्पष्ट करते हुए निम्नलिखित विन्दुओ को विस्तार से बताया

- किसी छात्र अथवा छात्रों द्वारा नये आने वाले छात्र का मौखिक वाणी अथवा लिखित शब्दों द्वारा उत्पीड़न अथवा दुर्व्यव्हार करना।
- छात्र अथवा छात्रों द्वारा उत्पात करना अथवा अनुशासनहीनता का वातावरण बनाना जिससे नये छात्र को कष्ट, आक्रोश, कठिनाई, शारीरिक अथवा मानसिक पीड़ा सहन करनी पड़े।
- किसी छात्र से ऐसे कार्य को करने के लिये कहना जो वह सामान्य स्थिति में नहीं किए जा सकते हैं।
- वरिष्ठ छात्र द्वारा किया गया कोई ऐसा कार्य जो किसी नये छात्र के शैक्षिक कार्य में बाधा पहुंचाये।
- नये छात्र का किसी भी प्रकार से आर्थिक शोषण करना जैसे जबरन धन वसूली करना आदि।

इसके बाद एंटी रैगिंग पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गयी, जिससे विद्यार्थी सरलता से रैगिंग तथा उसके दुष्परिणाम को समझ पाए। डॉ मिलन बर्मन द्वारा एंटी रैगिंग की नेशनल हेल्प लाइन न .1800.180.5522 को अवगत कराया गया जिस पर कॉल कर पीड़ित अपने शिकायत को दर्ज करा सकता है । इस कार्यक्रम में कला एवं सामाजिक विज्ञानं संकाय के डीन डॉपारीक कैलास .तथा संकाय के अन्य सदस्य डॉ धर्मेन्द्र सिंह, डॉ मिलन बर्मन, और थे। उपस्थित छात्र सभी साथ अंत में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। अंत में धन्यबाद ज्ञापित कर राष्ट्रगान कर दो दिवसीय कार्यक्रम के मंगल की घोषणा की गयी ।

उपरोक्त कार्यक्रम के संयोजक डॉ कैलाश जी पारीक थे ।

GPS Map Camera
सरदारशहर, राजस्थान, भारत
PDC
Lat 28.445374°
Long 74.518024°
12/08/24 01:36 PM GMT +05:30
Google

GPS Map Camera
सरदारशहर, राजस्थान, भारत
PDC
Lat 28.445374°
Long 74.518024°
12/08/24 01:57 PM GMT +05:30
Google